उद्यान विभाग का नवाचार

खेती में एआइ : किसानों को घर बैठे मिलेगी प्रबंधन की जानकारी

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में होगी शुरुआत

जयपुर@पत्रिका. खेती में भी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ तकनीक का उपयोग होगा। सरकार किसानों को एआइ से जल प्रबंधन व पोषक तत्वों के प्रबंधन के गुर सिखाएगी। इससे खेती में पानी की बचत होगी, वहीं जमीन के पोषक तत्वों की कमी को पूरा किया जाएगा। तकनीक के माध्यम से किसानों को घर बैठे मौसम, जल प्रबंधन, खेती-बाड़ी में पानी की जरूरत के साथ पोषक तत्वों की मांग आदि की जानकारी मिलेगी।

उद्यान विभाग इस प्रोजेक्ट पर एक साल में करीब 3 से 4 करोड़ रुपए खर्च कर करेगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। विभाग के अफसरों की मानें तो यह प्रोजेक्ट जल्द शुरू हो जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रथम चरण में प्रदेश के 7 हजार 900 किसानों को इस तकनीक से जोड़ा जाएगा। इसके लिए हर जिले में किसानों का चयन किया जा रहा हैं। इस तकनीक से किसानों को जल प्रबंधन और पोषक तत्व प्रबंधन को लेकर नियमित एडवाइजरी जारी की जाएगी।

900 किसानों को होगा फायदा: एआइ तकनीक से जयपुर जिले के 900 किसानों को जोड़ा जाएगा। इसमें आमेर क्षेत्र के 450 किसान जुड़ेंगे, वहीं गोविंदगढ़ क्षेत्र के भी 450 किसानों को जोड़ा जा रहा हैं।

ये होगा फायदा

- फसल के अनुसार पानी की जरूरत का पता चलेगा, इससे पानी की बचत होगी।
- जमीन में पोषक तत्वों की जानकारी मिल सकेगी, इससे जमीन में पोषक तत्वों की कमी दूर होगी और पैदावार बढ़ेगी।
- किसानों को मौसम का पूर्वानुमान पता चल सकेगा। बुवाई से लेकर कटाई तक में फायदा होगा।
- कौन से मौसम में किस फसल की बुवाई की जानी है, इसकी भी जानकारी मिल सकेगी।